स्त्रियों के संदर्भ में आचार्य कौटिल्य की सामाजिक निति का विश्लेषण

स्नेहा

समाज राज्य का दर्पण कहा जाता है अर्थात् समाज की सुख एवं समृद्धि से राज्य की स्थिति का ज्ञान होता है। राज्य किस प्रकार से विकास कर रहा है और विशेषकर वहाँ स्त्रियों की स्थिति कैसी है, इस पर निर्भर करता है कि राज्य वास्तव में उन्नत शील है कि नहीं। यदि राज्य से पुरूष के समान स्त्रियों को भी समान अधिकार मिले हुए हैं तो उस राज्य को उन्नतशील कहा जाता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए आचार्य कौटिल्य ने स्त्रियों के सम्बन्ध में तटस्थ भाव से नियम बनाये हुये थे। कौटिल्य ने अर्थशास्त्र में स्त्रियों को सुदृढ़ एवं सुलभ आर्थिक सामाजिक संरक्षण प्रदान किया है।